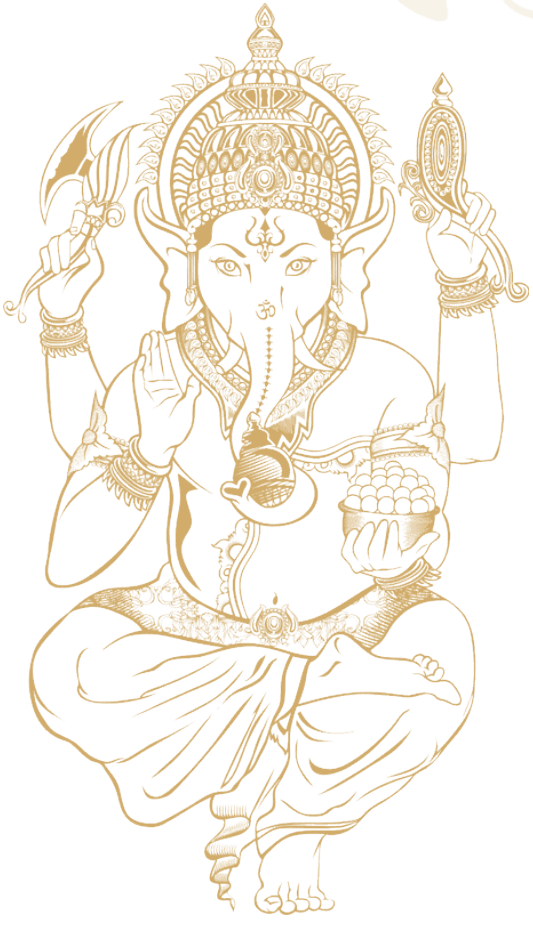

Mr.Vivek kumar Tiwari

18 Jan 1985

12:10 AM

Barhaj

Model: web-freekundliweb

Order No: 119879703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/01/1985**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:10:00 घंटे**
इष्ट	43:34:00 घटी
स्थान	**Barhaj**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:16:00 उत्तर
रेखांश	83:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:04:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:14:56 घंटे
वेलान्तर	-00:10:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:03:27 घंटे
सूर्योदय	06:44:24 घंटे
सूर्यास्त	17:26:07 घंटे
दिनमान	10:41:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:58:00 मकर
लग्न के अंश	03:53:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:53:20	318:21:51	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मक	03:58:00	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	22:52:36	13:39:26	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल			कुंभ	24:17:04	00:45:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			धनु	14:32:01	01:24:39	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	मक	01:44:01	00:14:04	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कुंभ	20:56:41	01:02:43	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	02:31:53	00:04:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	02:00:41	00:03:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:00:41	00:03:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	22:37:13	00:02:59	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
नेप			धनु	08:27:06	00:02:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	10:59:32	00:00:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	05:05:10	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:41

लग्न-चलित

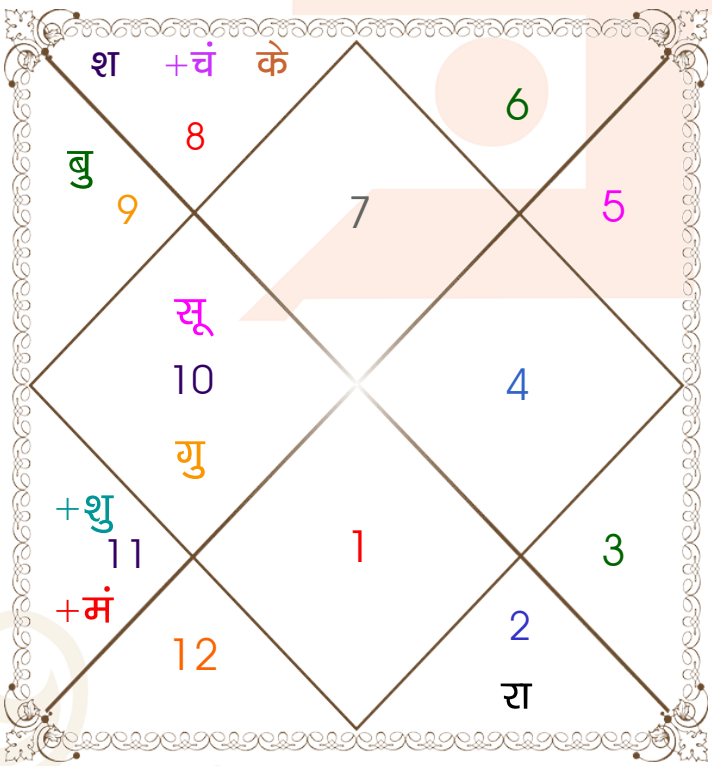

चन्द्र कुंडली

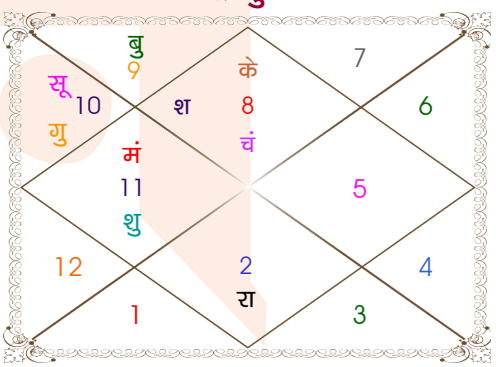

नवमांश कुंडली

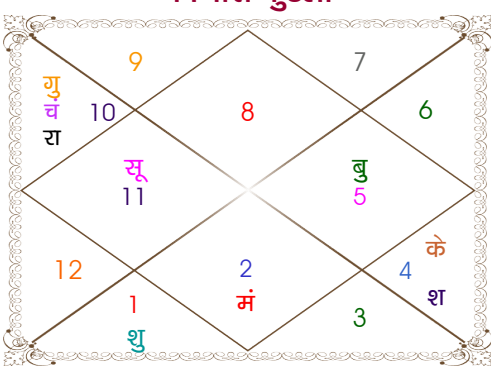

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 0 मास 30 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/01/1985		17/02/1994		17/02/2001		17/02/2021		17/02/2027	
17/02/1994		17/02/2001		17/02/2021		17/02/2027		17/02/2037	
	00/00/0000	केतु	16/07/1994	शुक्र	18/06/2004	सूर्य	06/06/2021	चंद्र	18/12/2027
	00/00/0000	शुक्र	15/09/1995	सूर्य	18/06/2005	चंद्र	06/12/2021	मंगल	19/07/2028
	00/00/0000	सूर्य	21/01/1996	चंद्र	17/02/2007	मंगल	13/04/2022	राहु	17/01/2030
	18/01/1985	चंद्र	21/08/1996	मंगल	18/04/2008	राहु	07/03/2023	गुरु	19/05/2031
चंद्र	18/08/1985	मंगल	17/01/1997	राहु	19/04/2011	गुरु	25/12/2023	शनि	18/12/2032
मंगल	15/08/1986	राहु	05/02/1998	गुरु	18/12/2013	शनि	06/12/2024	बुध	19/05/2034
राहु	04/03/1989	गुरु	12/01/1999	शनि	17/02/2017	बुध	12/10/2025	केतु	18/12/2034
गुरु	10/06/1991	शनि	20/02/2000	बुध	18/12/2019	केतु	17/02/2026	शुक्र	18/08/2036
शनि	17/02/1994	बुध	17/02/2001	केतु	17/02/2021	शुक्र	17/02/2027	सूर्य	17/02/2037

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/02/2037		17/02/2044		17/02/2062		17/02/2078		17/02/2097	
17/02/2044		17/02/2062		17/02/2078		17/02/2097		00/00/0000	
मंगल	16/07/2037	राहु	30/10/2046	गुरु	06/04/2064	शनि	20/02/2081	बुध	16/07/2099
राहु	03/08/2038	गुरु	25/03/2049	शनि	18/10/2066	बुध	31/10/2083	केतु	13/07/2100
गुरु	10/07/2039	शनि	30/01/2052	बुध	23/01/2069	केतु	09/12/2084	शुक्र	14/05/2103
शनि	18/08/2040	बुध	18/08/2054	केतु	30/12/2069	शुक्र	08/02/2088	सूर्य	20/03/2104
बुध	15/08/2041	केतु	06/09/2055	शुक्र	30/08/2072	सूर्य	20/01/2089	चंद्र	19/01/2105
केतु	11/01/2042	शुक्र	06/09/2058	सूर्य	18/06/2073	चंद्र	21/08/2090		00/00/0000
शुक्र	13/03/2043	सूर्य	31/07/2059	चंद्र	18/10/2074	मंगल	30/09/2091		00/00/0000
सूर्य	19/07/2043	चंद्र	29/01/2061	मंगल	24/09/2075	राहु	06/08/2094		00/00/0000
चंद्र	17/02/2044	मंगल	17/02/2062	राहु	17/02/2078	गुरु	17/02/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 1 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।